Faculty of Humanities and Social Sciences

Scheme of Examination and Syllabus for Under Graduate Programme

Under Multiple Entry and Exit, Internship and CBCS-LOCF as per NEP-2020
w.e.f. session 2024-25 (in phased manner)

Subject: Sanskrit Elective

Guru Jambheshwar University of Science &Technology
Hisar-125001, Haryana

(A+ NAAC Accredited State Govt. University)

Guru Jambheshwar University of Science and Technology
Hisar-125001, Haryana
(‘A+’ NAAC Accredited State Govt. University)

Scheme of Examination & Syllabus for affiliated Degree Colleges for UG Programme
According to National Education Policy-2020

Subject: Sanskrit Elective

SEMESTER-I

Type of Course	Course Code	Nomenclature of Paper/Course	Credits	Contact Hours	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Duration of Exam (Hrs)
Discipline Specific Course	C24SAE101T	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3

SEMESTER-II

Type of Course	Course Code	Nomenclature of Paper/Course	Credits	Contact Hours	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Duration of Exam(Hrs)
Discipline Specific Course	C24SAE201T	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3

Program Outcomes:

PO1 संस्कृत भाषा एक समृद्ध भाषा है। विद्यार्थी, हिंदी आदि भाषाओं के साथ संस्कृत भाषा को भी समझ पाएंगे। संस्कृत के माध्यम से प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, धर्म, सामाजिक जीवन के बारे में जानने का एक माध्यम है। सामान्य डिग्री पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक कार्यक्रम न केवल पेशेवर कौशल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, बल्कि विभिन्न संस्कृत ग्रंथों के माध्यम से 'भारत की समृद्ध विरासत और गतिशील प्रचलित परिदृश्य पर गहरी समझ भी विकसित करते हैं।

PO2 छात्र बातचीत में भाग लेने के कौशल का प्रदर्शन करेंगे जो सहयोग के साथ ज्ञान का निर्माण करता है।

PO3 वेद, दर्शन, व्याकरण, काव्य, धर्मशास्त्र आदि जैसे संस्कृत साहित्य की बहु-विषयक प्रासंगिकता की उचित समझ विकसित होगी।स्नातक बनने के बाद छात्र यूपीएसई, एचसीएस आदि के क्षेत्र में आवेदन कर सकते हैं और स्नातकोत्तर के बाद भी वे स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

Sanskrit Elective

नीतिसाहित्यं व्याकरणं च(Semester I)

Discipline Specific Course (DSC)

Course Code: C24SAE101T	**External Marks : 70**
60 Hrs. (4 Hrs./Week)	**Internal Marks : 30**
Credit : 4	**Total Marks: 100**
Exam Time: 3 Hrs.	

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य:- इसका उद्देश्य छात्रों में संस्कृत भाषा एवं साहित्य के प्रति समझ बढ़ाना ताकि वह इसे अन्यान्य विषयों के साथ जोड़कर अपने ज्ञान को स्थिरता प्रदान कर पाएं । संस्कृत भाषा में लिखित साहित्य का सामान्य ज्ञान तथा नीति संबंधी व्यवहारिक पक्ष को भी सिखाना ताकि वे समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

Unit – I

- हितोपदेश :-
  मित्रलाभ (मित्रलाभ-प्रस्ताव: सेलेकरकथा 2 अर्थात्वृद्धव्याघ्रपथिकके 55 वेंश्लोक "भक्ष्यभक्षकयो: प्रीति:........"तक
  (क)दो पाठ्याशों की व्याख्या।
  (ख) सार।

Unit – II

- नीतिशतकम् :- श्लोक- संख्या-1 से 50 तक।
  (क) दो श्लोकों का सरलार्थ।
  (ख) एक सूक्ति की व्याख्या।

Unit - III

- संस्कृत व्याकरण :
  शब्द रूप : राम, कवि, भानु, पितृ, लता, अस्मद, विद्वस्, राजन्, तद् (तीनों लिङ्गों में) तथा एक (तीनों लिङ्गों में)।
  (क) धातु रूप : भू, हस्, नम्, गम्, अस्, हन्, कृ, नी, याच्, दृश्, वच् (केवल लट्, लोट्, लङ, विधिलिङ् तथा लृट् लकारों में)

Unit – IV

- सन्धि:
  (क) . अच् सन्धि, हल् सन्धि, एवं विसर्ग सन्धि ।
  (ख). कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन । (प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न)

Books Suggested:

1. भर्तृहरि, नीतिशतकम्, टीकाकार, डॉ गंगासागर राय, चौखम्बा वाराणसी, 2003 ।
2. हितोपदेश, नारायण पंडित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी ।
3. रचनानुवाद कौमुदी, कपिल देव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृत भाषा में ज्ञान की सरल मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा छात्रों को बोध कराने के लिए अनेक ग्रन्थ कथा रूप में लिखित हैं जैसे पंचतन्त्र, हितोपदेश आदि। इस घटक में मित्रलाभ प्रकरण द्वारा संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है।

CO2 नीतिशतक, नीति से सम्बद्ध श्लोक रूप में लिखित है। आचार्य भर्तृहरि द्वारा नीतिशतक के 50 श्लोकों में छात्रों को न्याय एवं नीति से सामाजिक बोध कराने का प्रयास किया गया है।

CO3 संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए शब्दरूप तथा धातुरूप का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है। इस घटक में छात्रों को दैनिक दिनचर्या में प्रयुक्त होने वाले सरल धातुरूपों से परिचित करवाया जाता है ।

CO4 भाषा में सन्धियों का प्रयोग होना स्वाभाविक है । इस घटक में सन्धियों का बोध करवाया जाता है जिससे विद्यार्थी भाषा को सरलता से समझ सकें। सन्धि पदों को पृथक् करके अर्थबोध करने का सामर्थ्य हासिल कर सकें।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	M	S	S
CO3	W	M	W
CO4	S	W	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit Elective

श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च**(Semester II)**

Discipline Specific Course (DSC)

Course Code: C24SAE201T	**External Marks : 70**
60 Hrs. (4 Hrs./Week)	**Internal Marks : 30**
Credit : 4	**Total Marks: 100**
Exam Time: 3 Hrs.	

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य:- गीता और उपनिषद् के माध्यम से छात्रों को अपनी अनुभूति व भावनात्मक तंत्र का प्रबंधन करने में सामर्थ्य विकसित करने का प्रयास किया जाएगा । इससे भ्रम, मन का द्वंद्व और उनके व्यक्तित्व का भी विकास होगा। आधुनिकता के प्रभाव में आकर हर व्यक्ति की दिनचर्या परिवर्तित हो चुकी है । जिसके परिणाम स्वरुप विविध रोगों का जन्म हो रहा है । इसको नियंत्रित करने के लिए आयुर्वेद के माध्यम से विद्यार्थियों को दिनचर्या सुधारनेमें सहयोग करना जिससे वे अपने परिवार एवं समाज के सदस्यों को भी प्रोत्साहित कर पाएंगे ।

Unit – I

- श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
  (क) दो श्लोक का सरलार्थ
  (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न।

Unit – II

- चरक संहिता स्वस्थवृत्तम्
  सूत्र स्थान 5/71-104,7/26-35,8/17-29।
  (क) दो पंक्तियों की व्याख्या
  (ख) एक निबंधात्मक प्रश्न

Unit - III

- संस्कृत व्याकरण:
  (क) शब्द रूप:- मति, नदी, धेनु, मातृ, फल, युष्मद्, सर्व, एतद्, द्वि, त्रि। (सर्व से लेकर त्रि तक तीनों लिंगों में ।
  (ख) धातु रूप:- पठ्, नृत्, प्रच्छ, रुच्, हन्, भज, पच, लभ्, सेव्। (केवल लट्, लोट्, लङ, विधिलिङ् व लृट् लकारों में) वच् (केवल लट्, लोट्, लङ, विधिलिङ् तथा लृट् लकारों में)

Unit – IV

- छन्द :-
  (क) अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवजा, उपेन्द्रवजा, वंशस्थ, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका तथा शार्दूलविक्रीडित ।
  (ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद ।

Books Suggested:

1. चरक संहिता, व्याख्याकार, आचार्य विद्याधर शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली ।
2. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस, गोरखपुर ।
3 रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
4. रुपचंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, दिल्ली ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1	श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय संस्कृति तथा ज्ञान का उत्कर्ष ग्रंथ है जो कर्म व ज्ञान के महत्व को अवगत कराता है । इस विषय से संबद्ध गीता में द्वितीय अध्याय है, जोकि सांख्य योग के नाम से प्रसिद्ध है । इस विषय में ज्ञान होना आवश्यक है ।
CO2	इस घटक में चरक संहिता से संबंधित मुख्य आयुर्वेद विषय को लिया गया है यह मनुष्य के दैनिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दिनचर्या है जोकि एक स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है जिससे विद्यार्थी अपने जीवन को सही दिशा देकर दूसरों को भी प्रेरित कर पाएं।

CO3 संस्कृत भाषा में शब्द रूप व धातु रूप प्राणभूत है। इनके बिना वाक्य निर्माण भी संभव नहीं है इसलिए सामान्य रूप से अनुवाद का बोध कराने के लिए भाषा की सरल व प्रारंभिक रूपरेखा को समझने के लिए इस घटक का होना आवश्यक है ।

CO4 संस्कृत साहित्य में श्लोक रचना करने के लिए छंदों का ज्ञान होना अति आवश्यक है छंद के बिना पद्य काव्य लिखना असंभव है। अतः इस घटक के अन्तर्गत छात्रों को प्रारंभिक छंदों का ज्ञान दिया जाता है।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	M
CO2	M	S	S
CO3	W	M	S
CO4	S	W	M

S= Strong M=Medium W=Weak